

बद्री के धाम जो आ जाता | By Mukesh Bagda |

बद्री के धाम जो आ जाता
नारायण का हो जाता
जन्मो जन्मो का बन जाता
संग नारायण के नाता
पावन बद्री का धाम
तिहु लोक मे ऊंची शान
ये भक्त सब्ही लो जान
तेरे दर्शन जो कर लेता है
तेरी मूरत मे खो जाता
बद्री के धाम जो आ जाता
नारायण का हो जाता

सारे गम के मारो का
बद्री का दर है ठिकाना
तेरे दर्शन कर मिलता
खुशियो का सबको खजाना
एक बार जो दर पे आ गया
भव सागर से तर जाता
बद्री के धाम जो आ जाता
नारायण का हो जाता

सतयुग मे तू था आया
त्रेता मे तेरी माया
द्वापर मे कृष्ण तू ही
कलयुग मूरत बन आया
जन्मो जन्मो का पुण्य हुमे
यहां पल मे है मिल जाता
बद्री के धाम जो आ जाता
नारायण का हो जाता

मै चाहूँ अंत समय मे
तेरे धाम पे मुक्ति पाऊं
हो नाम हरि का मुख मे
इस दुनिया से जब जाऊं
तेरे नाम को सुमिरा न जिसने
कुछ ना दुनुइया मे पाता
बद्री के धाम जो आ जाता
नारायण का हो जाता

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%86-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/>